This question paper contains 3 printed pages.]

8155 *Your Roll No. .....*

M.Ed. **A**

Course – 4.5–O.2

LANGUAGE EDUCATION–PROBLEMS OF LANGUAGE LEARNING IN INDIA

Time : 2 Hours *Maximum Marks : 35*

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note : *Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.*

टिप्पणी : *इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।*

*Attempt **three** questions in all.*

*Question No. **1** is compulsory.*

*कुल **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

*प्रश्न संख्या **1** अनिवार्य है।*

[P.T.O.

1. "If one says all education is language education, he would not be altogether wrong as all education begins with language education and continues till end through language or languages. Comment critically. 11

"यदि कोई यह कहता है कि समस्त शिक्षा भाषा-शिक्षा है, तब वह पूर्णतः गलत नहीं होगा क्योंकि समस्त शिक्षा भाषा-शिक्षा से आरंभ होती है और अंत तक भाषा अथवा भाषाओं के माध्यम से जारी रहती है।" आलोचनात्मक रूप से टिप्पणी कीजिए।

2. Enumerate the problems encountered in designing distance education programmes in language education in India and give an outline of two suitable alternative designs in this context. 12

भारत में भाषा शिक्षा में दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों के अभिकल्पन में आने वाली समस्याओं का प्रगणन कीजिए और इस प्रसंग में दो उपयुक्त विकल्पी अभिकल्पों की रूपरेखा प्रस्तुत कीजिए।

3. Discuss how as a language educator you would develop instructional material for the teaching of English or Hindi to school learners. Describe the process with examples. 12

विवेचन कीजिए कि एक भाषा शिक्षक के नाते आप विद्यालयी शिक्षार्थियों को अंग्रेजी अथवा हिन्दी के शिक्षण के लिए शैक्षणिक सामग्री किस प्रकार विकसित करेंगे। प्रक्रिया का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

4. "The aim of language teaching - learning is not to import or acquire the standard variety." Critically comment on the statement citing examples from the Indian classrooms to support your view. 12

"भाषा शिक्षण-अधिगम का उद्देश्य मानक प्रकार प्रदान या अर्जित करना नहीं है।" अपने अभिमत की पुष्टि में भारतीय कक्षाओं से उदाहरण उद्धृत करते हुए इस कथन पर आलोचनात्मक टिप्पणी कीजिए।

5. Write critical notes on the following :

(i) Contribution of CIEFL in improving ELT practices in India.

(ii) Major difficulties faced by learners of languages in a multilingual context. 12

निम्नलिखित पर आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिए :

(i) भारत में ELT प्रक्रियाओं को सुधारने में CIEFL का योगदान

(ii) बहुभाषी संदर्भ में भाषा के अध्येताओं के समक्ष आने वाली प्रमुख कठिनाइयाँ।